भोपाल जिले के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर
एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु शोध प्रबन्ध

वर्ष 2010 – 2011

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक
डॉ. एम.यू. पाईली
प्रवाचक
शिक्षा विभाग भोपाल
भोपाल

शोधकर्ता
रिंकी हिंडोलिया
एम.एड. छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स भोपाल म.प्र.

2010:2011

भोपाल जिले के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा) की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध

वर्ष 2010 – 2011

D-350

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक
डॉ. एम.यू. पाईली
प्रवाचक
शिक्षा विभाग भोपाल
भोपाल

Regional Institute of Education Bhopal LIBRARY

शोधकर्ता
रिंकी हिंडोलिया
एम.एड. छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल म.प्र.

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमति रिंकी हिण्डोलिया ने **"भोपाल जिले के केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड संस्थान विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक शिक्षा मूल्यांकन का अध्ययन"** नामक लघु शोध मेरे निर्देशन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य पूर्ण रूप से मौलिक है, जो इससे पूर्व विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया। इन्होंने यह कार्य पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से किया है।

यह लघु प्रबन्ध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की सत्र 2010–2011 की स्नातकोत्तर एम.एड. उपाधि परीक्षा आंशिक सम्पूर्ति हेतु उपयुक्त है।

भोपाल
दिनांक -25-4-2011

डॉ. एम.यू. पाईली
प्रवाचक शिक्षा संकाय
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

घोषणा–पत्र

मैं रिंकी हिण्डोलिया एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ कि "भोपाल जिले के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विद्यालयों में चलाये जा रहे सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन का अध्ययन" नामक शीर्षक पर लघुशोध प्रबंध 2010–2011, मेरे द्वारा **डॉ. एम.यू. पाईली,** प्रवक्ता शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है।

इस शोध में लिए गये प्रदत्त एवं सूचनाएँ विश्वसनीय स्त्रोंतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त हो गई है तथा ये प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) 2010–2011 की उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस लघुशोध का उपयोग अन्य उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।

स्थान : क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
दिनांक: 25/04/2011

शोधकर्ता

Rinki

रिंकी हिण्डोलिया
एम.एड. (आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल

आभार – ज्ञापन

प्रस्तुत शोध कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने निर्देशक डॉ. एम.यू. पाईली की कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने समय–समय पर उचित निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को सम्पन्न करने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत शोध ग्रन्थ आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्य पूर्वक प्रदत आत्मीय एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य डॉ. के. बी. सुब्रमणियम विभागाध्यक्ष डॉ. एस. के. गुप्ता एवं एम.एड. प्रभारी डा. लक्ष्मीनारायण के सहयोग के लिए धन्यवाद देती हूँ। मैं जिले के उन सभी शिक्षकों की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य के लिए सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय प्रभारी एवं अन्य सभी पुस्तकालयीन कर्मचारियों की आभारी हूँ जिन्होंने अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध करकर अपना सहयोग दिया। मैं अपने पति को हार्दिक धन्यावाद देती हूँ जिन्होंने मुझे इस अध्ययन हेतु प्रेरित किया। मैं उन समस्त विद्वानों की आभारी हूँ जिनके ग्रन्थों का संदर्भ ग्रंथ के रूप में प्रयोग किया गया।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 25-4-2011

Rinki
रिंकी हिंडोलिया
एम.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा)

अनुक्रमणिका

शोध परिचय

अध्याय प्रथम

1.1 प्रस्तावना

1.2 सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा

1.3 विभिन्न परिप्रेक्ष्य में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

1.4 लघु शोध की आवश्यकता एवं महत्व

1.5 समस्या कथन

1.6 शोध उद्देश्य

1.7 शोध के चर

1.8 शोध परिकल्पनाऐं

1.9 शोध की सीमाऐं

सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलोकन

अध्याय द्वितीय

2.1 प्रस्तावना

2.2 सम्बन्धित साहित्य

शोध प्रविधि

अध्याय तृतीय

3.1 प्रस्तावना

3.2 शोध डिजाईन

3.3 प्रतिदर्श का चयन

3.4 शोध के चर

3.5 उपकरण

3.6 प्रदत्तों के संकलन की प्रक्रिया

3.7 सांख्यिकी का प्रयोग

Library
Regional Institute

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण

4.2.1 परिकल्पना

4.2.2 परिकल्पना

4.2.3 परिकल्पना

4.2.4 परिकल्पना

शोध सार निष्कर्ष एवं सुझाव

अध्याय पंचम

5.1 भूमिका

5.2 समस्या कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 परिकल्पनाऐं

5.5 शोध के चर

5.6 प्रतिदर्श

5.7 उपकरण

5.8 सांख्यिकी

5.9 परिणाम

5.10 सुझाव

संदर्भ ग्रन्थ सूची

परिशिष्ट 1 – आत्म अवधारणा अनुसूची

2 – मानसिक तनाव अनुसूची

3 – सी.सी.ई. की वर्तमान स्थिति

4 – सी.सी.ई. के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृति

5 – सी.सी.ई. के प्रति शिक्षकों की अभिवृति